राजकीय महाविद्यालय ठियोग

जिला शिमला (हिमाचल प्रदेश)

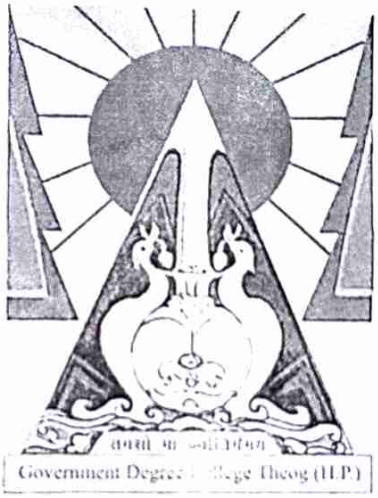

वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र : 2019–2020

डॉ. अनुपमा गर्ग
प्राचार्य

वार्षिक प्रतिवेदन-सत्र 2019-2020

ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं भौगोलिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण ठियोग में, राजकीय महाविद्यालय, ठियोग नगर के पार्श्व में सुन्दर पहाड़ी पर प्रकृति के नैसर्गिक सौन्दर्य के मध्य अवस्थित पूर्व में चूढ़धार, पश्चिम में कुफरी की वादियां, दक्षिण में चायल तथा उत्तर दिशा में नारकण्डा की समांतर परिलक्षित पहाड़ियों से आगे पूर्वोत्तर दिशा में सुदूर हिमाच्छादित हिमालय की श्रृंखलाओं से आती ठण्डी-ठण्डी हवाओं में वर्ष 1998 से इस क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा के कई प्रतिमान स्थापित किये हैं। एक सुन्दर भवन में संचालित ठियोग महाविद्यालय में बी.ए., बी.एस. सी., और बी.कॉमर्स की शिक्षा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में महाविद्यालय में विस्तृत परिसर, पुस्तकालय, आई.टी. लैब, छात्रावास, खेल-मैदान तथा दो स्मार्ट कक्षा-कक्ष अत्याधुनिक तकनीक से विकसित किये गए हैं। पूरे परिसर में वाई-फाई की सुविधा के साथ सी.सी.टी.वी. कैमरे लगे हैं। महाविद्यालय में नियुक्त शैक्षणिक एवं ग़ैर-शैक्षणिक कर्मियों की कत्तर्व्य-निष्ठा, कार्य-कुशलता, योग्यता और समर्पण से समग्र गतिविधियां निर्धारित मानकों एवं नियमों के अनुसार व्यवस्थित रूप से संचालित हो रही हैं।

महाविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर विभिन्न विषयों में प्राध्यापकों के 25 पद तथा ग़ैर-शिक्षक कर्मचारी वर्ग के 11 पद स्वीकृत हैं। वर्तमान सत्र में डॉ. लाल चन्द (संगीत), डॉ. नीरज (वाणिज्य), दीप्ती गुप्ता (वनस्पति विज्ञान), प्रिंस मोहन (भूगोल), और पूनम भारद्वाज (ग्रन्थपाल) महाविद्यालय से अन्य महाविद्यालयों के लिए स्थानान्तरित हुए। इनके स्थान पर डॉ. प्रवीण जरेट (संगीत), प्रदीप ठाकुर (वाणिज्य), डॉ. अनिल ठाकुर (वनस्पति), डॉ. सुधीर कुमार (भूगोल) और निशांत शर्मा (ग्रन्थपाल) के रूप में कार्य ग्रहण किया है।

छात्र नामांकन एवं परीक्षा परिणाम

महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2019-2020 में 1160 विद्यार्थी नामांकित हैं, जिसमें छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की संख्या अधिक है। महाविद्यालय में निर्धारित बी.ए., बी.कॉम और बी.एस.सी. पाठ्यक्रमों में 473 छात्र तथा 687 छात्राएं पंजीकृत हैं। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के तहत महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन रूसा पद्धति में हो रहा है। यह एक सत्र आधरित प्रणाली है तथा परिणाम ग्रेड सिस्टम द्वारा निकालने की व्यवस्था है। पूर्ण परिणाम अन्तिम सत्र के बाद ही स्पष्ट होता है। अतः ग्रेड आकलन के दृष्टिगत महाविद्यालय के

अधिकांश विद्यार्थियों ने उत्तम और सर्वोत्तम ग्रेड अर्जित किए हैं। इसी आधार पर सन् 2018 में वरीयता सूची में उत्कृष्ठ स्थान प्राप्त करने पर 12 विद्यार्थियों को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लेपटॉप प्रदान किये गये।

बजट एवं छात्रवृत्ति

सन् 2019-2020 के लिए शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय से सम्बन्धित विभिन्न खर्चों के लिए रुपये 3,67,91,500/- (तीन करोड़ सतसठ लाख इकायनवे हज़ार पांच सौ मात्र) के बजट का प्रावधान किया गया। इस सत्र में तीनों संकाय के 36 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। जिसमें कल्पना चावला छात्रवृत्ति 27 विद्यार्थियों को आई.आर.डी.पी. 4 और अनुसूचित जाति 5 छात्रवृत्ति विद्यार्थियों को दी गई। इस योजना पर रुपये 4,46,000/- वितरित किये गए।

केन्द्रीय छात्र संघ

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में केन्द्रीय छात्र संघ का गठन वरीयता के आधार पर किया गया है, जिसमें सर्वोच्च ग्रेड अर्जित विद्यार्थियों को निर्धारित कार्यकारिणी के विभिन्न पदों पर मनोनीत किया गया है-

1. स्मृति शर्मा	अध्यक्ष	बी.कॉम, पंचम सत्र
2. पूनम	उपाध्यक्ष	बी.ए., पंचम सत्र
3. दीक्षा	सचिव	बी.एससी., द्वितीय वर्ष
4. दिव्या	सह-सचिव	बी.ए., प्रथम वर्ष

अभिभावक-प्राध्यापक संघ

महाविद्यालय के समुचित प्रबन्धन के लिए प्रतिवर्ष अभिभावक संघ का गठन किया जाता है। इस सत्र में 09.09.2019 को पी.टी.ए. का पुनर्गठन किया गया। महाविद्यालय के विकास में पी.टी.ए. ने सराहनीय योगदान दिया है। इस सत्र के लिए निम्न पदाधिकारी एवं सदस्य चुने गए हैं-

संरक्षक प्राचार्य डॉ. अनुपमा गर्ग

अध्यक्ष	श्री दिनेश शर्मा
उपाध्यक्ष	श्री अनिल ग्रोवर
सचिव	डॉ. सत्यनारायण स्नेही (प्राध्यापक)
संयुक्त सचिव	श्री बृजलाल
कोषाध्यक्ष	श्री गीता राम
मुख्य सलाहाकार	श्री राजेन्द्र शर्मा
मनोनीत सदस्य	श्रीमती शीला वर्मा (वार्ड सदस्य)

कार्यकारी सदस्य

अभिभावक	प्राध्यापक
श्रीमती राधा देवी	श्रीमती अनिता राठौर
श्रीमती सुभद्रा देवी	डॉ. राकेश शर्मा

राष्ट्रीय सेवा योजना

विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण एवं सहयोग की भावना जागृत करने के लिए महाविद्यालय में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेश वर्मा और प्रोफ़ेसर विकास नाथन के कुशल निर्देशन में दो इकाइयाँ कार्यरत हैं। इसमें 175 स्वयं सेवक पंजीकृत हैं। इस सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सद्भावना दिवस, कारगिल विजय दिवस, योग दिवस, शिक्षक दिवस, एड्स दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सितम्बर 26-29, 2019 तक स्वच्छता सप्ताह के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में सफाई अभियान तथा फरवरी 14-20, 2020 को सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसी सत्र में इकाई के दो स्वयं सेवियों (अभिषेक और अंकुर) ने दिसम्बर, 2019 में राज्य स्तरीय मेघा कैम्प में भाग लिया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

युवा विद्यार्थियों में देश-भक्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से प्रोफ़ेसर प्रिंस मोहन के कुशन निर्देशन में राष्ट्रीय कैडेट कोर का गठन किया गया। इसमें 16 छात्र और 22 छात्राएं बतौर कैडेट पंजीकृत हैं। इस क्षेत्र में विद्यार्थियों की अनेक उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। इन कैडैट्स ने राज्य एवं राज्य से बाहर आयोजित एन.सी.सी. के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। इनके द्वारा महाविद्यालय में वृक्षारोपण किया गया तथा सर्जिकल स्ट्राईक दिवस मनाया

गया। इसमें भाषण तथा नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, साथ ही राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा महाविद्यालय में आयोजित सभी कार्यक्रमों में कैडेट्स का महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है।

रोवर और रेंजर संगठन

महाविद्यालय में गठित रेंजर्स और रोवर की गतिविधियां सराहनीय हैं। यह डॉ. राकेश शर्मा के निर्देशन में बेहतर इन्सान और समाज सेवा तथा सहयोग कि निमित्त सक्रिय है। इस सत्र में इकाई द्वारा स्कॉर्फ दिवस, राष्ट्रीय खेल-दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति दिवस, एड्स दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किये गए। रेंजर रोवरस ने स्वच्छता अभियान चलाया, पौधा-रोपण किया, खेल-खेल में लगी सामान्य चोटों का उपचार-प्रशिक्षण तथा ठियोग में यातायात-नियन्त्रण सेवायें दीं, जन-जागरण के लिए बाज़ार में रैली निकाली गई। विशाल और योगेश ने रिवालसर, मंडी में आयोजित राज्य स्तरीय युवा फोरम में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सांस्कृतिक गतिविधियां

महाविद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रारम्भ नव-प्रविष्ट विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'फ्रेशरज़ डे' से होता है, जिसमें इन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और सांस्कृतिक क्लब द्वारा नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता करवाई गई। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा समारोह के चारों समूहों में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया है। समूह दो ही प्रतिस्पर्धा एकल तबला वादन में विशाल गंदर्भ ने राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया और समूहगान भारतीय और पाश्चात्य में दूसरा स्थान तथा वृंदवादन में तीसरा स्थान प्राप्त किया। हिमाचल प्रदेश युवा एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धा में समूहगान लोक में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खेलकूद गतिविधियां

महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन की स्वस्थ परम्परा रही है। इसी के तहत महाविद्यालय में खेल दिवस पर वार्षिक खेल-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अन्तर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में 9 स्पर्धाओं में महाविद्यालय ने भाग लिया और बेहतर प्रदर्शन किया।

पुस्तकालय

महाविद्यालय के भीतर एक उत्कृष्ट पुस्तकालय है। इसमें विभिन्न विषयों से सम्बन्धित लगभग 5000 उपयोगी पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त दैनिक समाचार-पत्र, विभिन्न विषयों की शोध-पत्रिकाएं तथा रोज़गार परक समाचार-पत्र उपलब्ध हैं। ब्रॉड बैंड, वाई.फाई, तथा ई. जॉर्नलस, इंटरनेट की सुविधा भी है।

छात्र-पत्रिका

विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का जीवन्त दस्तावेज़ महाविद्यालय की छात्र-पत्रिका 'वाङ्मयी' है। इसमें अलग-अलग अनुभागों में विद्यार्थियों के विविध-विषयक मौलिक रचनाएं प्रकाशित की जाती हैं।

इको क्लब

इस सत्र में इको क्लब द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस तथा विश्व एड्स दिवर पर कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सक का व्याख्यान तथा पोस्टर, नारा-लेखन और भाषण प्रतियोगिता के अलावा जागरूकता रैली निकाली गई। इको क्लब के संयोजक डॉ. अनिल ठाकुर के नेतृत्व में कई सराहनीय कार्य सम्पन्न हुए हैं। इस सत्र में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण चेतना को लेकर नारा-लेखन तथा पोस्टर प्रतियोगिता करवाई गई। प्लास्टिक प्रदूषण के मुक्ति हेतु विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें नुक्कड़ नाटक द्वारा प्लास्टिक से प्रकृति एवं इन्सानों को होने वाले ख़तरे से अवगत करवाया गया। परिसर में साज-सजावट और विभिन्न उपयोगी फूल एवं पौधे रोपे गए। 5 अक्तूबर, 2019 से वन्यप्राणी सप्ताह मनाया गया, जिसमें वन्यप्राणी सरंक्षण बारे अनेक गतिविधियां संचालित की गईं।

सोशल ऑऊटरीच क्लब

महाविद्यालय में श्रीमती अनिता राठौर की अगुआई में गठित सोशल ऑऊटरीच क्लब ने सामाजिक सेवा में प्रशंनीय कार्य किया है। इस क्लब में 120 विद्यार्थी नामांकित हैं जो प्रतिदिन समय-समय पर ठियोग अस्पताल में जाकर मरीज़ों और चिकित्सा कर्मचारियों के यथा-योग्य सहायता करते हैं, साथ ही क्षेत्र के बजुर्गों और निराश्रित लोगों का क्षमतानुसार सहयोग करते हैं।

फोटोग्राफी क्लब

महाविद्यालय में वर्ष में आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को संचित एवं चिरस्थाई रखने में इस क्लब ने उल्लेखनीय योगदान दिया है।

विभागीय उपलब्धियां

अकादमिक सत्र 2019-2020 में इस महाविद्यालय में विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए। महाविद्यालय के अकादमिक विकास में इन कार्यक्रमों का महत्त्वपूर्ण योगदान है-

- राजकीय महाविद्यालय, ठियोग में प्राचार्य डॉ. अनुपमा गर्ग के कुशल नेतृत्व में हिन्दी विभाग द्वारा 7 सितम्बर, 2019 को 'तकनीकी युग में भाषा और साहित्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी डॉ. सत्यनारायण स्नेही के संयोजन, डॉ. कामायनी बिष्ट के समन्वयन, डॉ. राकेश शर्मा के प्रबन्धन और महाविद्यालय के परिवार के अथक परिश्रम से सफल आयोजन किया गया। इसमें बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी से प्रोफ़ेसर बाबूराम, इग्नो के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. जोगेद्र यादव, परीक्षा नियंत्रक, डॉ. जे.एस. नेगी तथा प्रोफ़ेसर रामनाथ मेहता बतौर मुख्य वक्ता सम्मिलित हुए, साथ ही देश भर के प्राध्यापकों तथा अनुसंधानकर्त्ताओं ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। इस संगोष्ठी में तकनीकी युग में भाषा और साहित्य की सार्थकता, उपयोगिता एवं वस्तुस्थिति पर गहन मंथन किया गया।
- वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 26 सितम्बर, 2019 को आयोजित कार्यक्रम में 'होटल उद्योग में जंगली भोजन और कैरियर संभावनाएं' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ श्री संजय ठाकुर द्वारा व्याख्यान दिया गया। 29 जुलाई, 2019 को पंचम सत्र के विद्यार्थियों ने ठियोग के आसपास क्षेत्रों में जाकर पौधों की विभिन्न प्रजातियों का प्रायोगिक अध्ययन किया।
- विज्ञान संकाय द्वारा 28 फरवरी, 2020 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जानकारी एवं मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 29 फरवरी, 2020 को प्रोफ़ेसर सपना वर्मा के निर्देशन में 'रोज़मर्रा के जीवन में भौतिकी आधारित गतिविधियां और कार्यशाला' का आयोजन किया गया।

व्यक्तिगत उपलब्धियां

महाविद्यालय के विकास में जहां प्राध्यापकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है वहीं प्राध्यापकों की व्यक्तिगत उपलब्धियां भी उल्लेखनीय रही हैं।

- महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग में वरिष्ठतम आचार्य राजेश धोरटा ने हिमाचल भारत स्कॉऊट गाईड द्वारा आयोजित 13वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस 2019 में 28 जून, 2019 को बतौर प्रबन्धक भूमिका निभाई और 10 अगस्त, 2019 को मण्डी में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 7 सितम्बर, 2019 को ठियोग में राष्ट्रीय संगोष्ठी, 10 नवम्बर, 2019 को सीमा कॉलेज़ रोहडू में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 5 दिसम्बर, 2019 को शिमला में राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 6, 7 दिसम्बर, 2019 को सोलह मील, धामी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन तथा सत्र की अध्यक्षता की है।

- वनस्पति विज्ञान विभाग में सह-आचार्य डॉ. अनिल ठाकुर की बतौर सहलेखक 'Gardening and Floriculture' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई। इन्होंने SCERT सोलन, वन विभाग के प्रशिक्षण शिविर शिमला, हिमाचल प्रदेश विज्ञान, तकनीक और पर्यावरण के हिमाचल संरक्षण कार्यशाला, शिमला में स्रोत व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिये। इन्होंने 01 अगस्त, 2019 को वाकनाघाट, सोलन में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2 जनवरी, 2020 को कोटशेरा, शिमला में राष्ट्रीय संगोष्ठी, 8 फरवरी, 2020 को घुमारवीं में राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन किया तथा तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की है। इनका 'ICT in the 21st Century Classroom' पुस्तक में एक अध्याय प्रकाशित हुआ है।

- लोक प्रशासन विभाग में सह-आचार्य डॉ. नरेश वर्मा ने चिटकारा, पंजाब में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रबन्धक समीति सदस्य तथा सीमा कॉलेज़ (रोहडू) शिमला और सोलह मील, धामी में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- अर्थशास्त्र विभाग में सह-आचार्य डॉ. तुलसी रमण शर्मा ने 27 अगस्त, 2019 को राजकीय महाविद्यालय, संजोली में आयोजित सेमिनार में बीज वक्ता के रूप में व्याख्यान

दिया और 10-12 अगस्त, 2019 को मण्डी में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, चिटकारा, पंजाब में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिमला में राष्ट्रीय संगोष्ठी, ठियोग और सोलह मील, धामी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन किया और विचार-सत्र की अध्यक्षता की और SCERT सोलन में दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

❖ गणित विभाग में सह-आचार्य राजेश चौहान ने राजकीय महाविद्यालय, ठियोग में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और शिमला (पीटर हॉफ) में राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन किया तथा विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण की।

❖ संगीत विभाग में सह-आचार्य प्रवीण जरेट ने इस सत्र में केरल के बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ इंग्लैंड में लंदन और डरबिन नामक स्थान पर संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

❖ समाजशास्त्र विभाग में सह-आचार्य श्रीमती अनिता राठौर की बतौर सह-लेखक तीन पुस्तकें प्रकाशित हुईं- 'Techniques of Social Research', 'Social Stratification' और 'Theory and Practice of Development'।

❖ इतिहास विभाग में सहायक-आचार्य रामेश्वर सिंह के 'legacy of the British Rule in India' और 'Role of Women in Indian National Movement' नामक शोध-पत्र राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित हुए औद इन्होंने मण्डी में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ठियोग, शिमला व सोलह मील, धामी में राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन किया।

❖ अंग्रेज़ी विभाग में सह-आचार्य डॉ. कामायनी बिष्ट का एक शोध-पत्र राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित हुआ और अंग्रेज़ी में कविताओं का संग्रह 'The witch must Dia and Other Poems' प्रकाशित हुआ। इन्होंने ठियोग महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का समन्वयन, मद्रास विश्वविद्यालय में अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी, मण्डी, धामी, शिमला और सेंट बीड्स, शिमला में राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन किया तथा SCERT सोलन में बतौर स्रोत विद् अपनी सेवाएं दीं।

❖ अंग्रेज़ी विभाग में सह-आचार्य डॉ. विनय शर्मा ने राष्ट्रीय संगोष्ठी चिटकारा पंजाब, ठियोग, पीटर हॉफ, शिमला, सेंट बीड्स, शिमला, सोलह मील, धामी, कोटशेरा, शिमला, राजकीय कन्या महाविद्यालय, शिमला में इस सत्र में शोध-पत्र प्रस्तुत किये।

- भौतिक विज्ञान में सहायक प्रोफ़ेसर सपना वर्मा ने पीटर हॉफ, शिमला और ठियोग में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन किया।

- शारीरिक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य विक्रान्त गौतम ने डी.ए.वी. होशियारपुर में अन्तर-विश्वविद्यालय मुक्केबाजी में प्रतिनियुक्त अधिकारी के रूप में भाग लिया और शिमला, कोटशेरा तथा ठियोग में राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया।

- वाणिज्य विभाग में सहायक आचार्य प्रदीप कुमार ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में त्रिसाप्ताहिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। इन्होंने सोलह मील, धामी, पीटर हॉफ, शिमला, कोटशेरा और नेरी, हमीरपुर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किये।

- रासायन विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. निशा शर्मा ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया और अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी मण्डी और शिमला में शोध-पत्र प्रस्तुत किये।

- कम्प्यूटर विभाग में सहायक आचार्य सुरेन्द्र चौहान ने त्रिसाप्ताहिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया और पीटर हॉफ, शिमला तथा ठियोग में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- हिन्दी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सत्यनारायण स्नेही ने महाविद्यालय, ठियोग में राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन और शिमला, सोलह मील, धामी में राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के 72वें अधिवेशन में पत्र-वाचन किया। इस सत्र में इनका कविता-संग्रह 'इंटरनेट पर मेरा गांव' प्रकाशित हुआ और राष्ट्रीय पत्रिका में दो अनुसंधान-पत्र प्रकाशित हुए तथा व्याकरण भारती नामक बृहद् ग्रंथ का संपादन किया। इन्होंने शिमला में त्रिसाप्ताहिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

- रासायन विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य विकास नाथन के दो शोध-पत्र प्रकाशित हुए और तीन राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन किया।

- राजनीतिक शास्त्र विभाग में सहायक आचार्य बसंत जुंटा ने SCERT सोलन में Induction Programme में भाग लिया।

❖ हिन्दी विभाग में सहायक आचार्य नवनीत भाऊटा ने राजकीय महाविद्यालय, ठियोग में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुशल प्रबन्धन किया और शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 5 दिसम्बर, 2019 को पीटर हॉफ, शिमला में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन किया और 2 जनवरी, 2020 को कोटशेरा, शिमला में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

निष्कर्षतः राजकीय महाविद्यालय, ठियोग अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में विगत दो दशकों से निरन्तर प्रगति-पथ पर अग्रसर है। हमने काफी कुछ अर्जित कर लिया है, अभी बहुत कुछ प्राप्त करना बाकी है। आशा है यह महाविद्यालय भविष्य में नई ऊँचाइयाँ छुएगा और बेहतरीन शिक्षण संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

धन्यवाद!

डॉ. अनुपमा गर्ग
प्राचार्य